माननीया राज्यपाल ने वी.यू. में पशुपालन प्रदर्शनी एवं संगोश्ठी का अवलोकन किया

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में प्रथम बार माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया श्रीमति आनंदीबेन पटेल का आगमन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कुलाधिपति महोदया का स्वागत किया।

गौपूजन कर कार्यकम की शुरूआतः– माननीया राज्यपाल महोदया द्वारा सर्वप्रथम गाय का पूजन किया। माथे पर तिलक लगाया, माला पहनाया एवं गुड़ का लड्डू खिलाया।

पशुपालन प्रदर्शनी का भ्रमणः– आज की पशुपालन प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्शण गिर गाय, साहीवाल, मालवी रही। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नर्मदा निधि मुर्गी की भी काफी सराहना हुई। विशविद्यालय के पंचगव्य उत्पादन इकाई, हरा चारा उत्पादन, उन्नत बकरी पालन, औषधीय वाटिका, मत्स्य पालन, पशु पोषण, शल्य चिकित्सा, मादा रोग, व्याधि, परजीवी, जनस्वास्थ्य, सूक्ष्म जीवी, भेशज एवं विश विज्ञान विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलो की सराहना की गई। प्रसार गतिविधियों का वार्षिक कैलेंन्डर, पशुधन पंचाग एवं केंचुआ खाद उत्पादन एवं संवर्धन इकाईयों को पशुपालकों ने विशेष रूचि लेकर देखा। इस संगोश्ठी का प्रमुख उद्देश्य पशुपालकों को पशु चिकित्सा एवं पशुपालन की नवीनतम तकनीकों से प्रत्यक्ष रूप से कराना है जिससे पशुपालन एवं कृशक एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा अपनी आय में दोगुनी वृद्धि कर सकें।

म.प्र. पशुपालन विभाग द्वारा लगाया गया स्टॉलः– इसमें म.प्र. शासन के पशुपालन विभाग द्वारा 27 मार्च से 10 मई तक आयोजित गोकुल महोत्सव में प्रदेश के सभी गाँवों में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित कर निःशुल्क चिकित्सा, औषधि विवरण एवं विभागीय योजनाओं को लाभ दिया जायेगा। डॉ. अविनाश श्रीवास्तव एवं डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि इनाफ योजना के तहत प्रत्येक दुधारू पशु को यूनिक आइ.डी. नंबर देकर पहचान पत्र बनाया जायेगा। पशु संजीवनी सेवा के तहत टोल फो न. 1962 डायल कर पशु को 24 घंटे उपचार सुविधा प्रदान की जायेगी।

स्कूल ऑफ वन्य जीव फोरेन्सिक एवं स्वास्थ्य

म.प्र. स्टेट की यह एक मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला है जो प्रदेश में वन्य प्राणियों के अपराध में प्रयुक्त औजारो से, वन्य प्राणियों के अवशेषों से एकत्र किये गये जैविक नमूनों से डी.एन.ए. निकालकर वन्यजीव की पहचान एवं साक्ष्य

उपलब्ध कराने का महत्वपर्ण कार्य करती है। वन्य प्राणियों का स्वास्थ्य परीक्षण, बीमारियों का रोग निदान एवं उपचार करता है।

''एकीकृत कृशि प्रणाली द्वारा कृशकों की आय में दोगुनी वृद्धि पर पशुपालक संगोश्ठी का आयोजन''

आज दिनांक 12 अप्रैल 2018 को पशुपालन संगोश्ठी का आयोजन सभागार पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में किया गया जिसमें पशुचिकित्सा एवं पशुपालन के 17 विषयों वस्तु द्वारा एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृशकों की आय में दोगुनी वृद्धि हेतु नवीनतम तकनीकी जानकारी से कृशकों, पशुपालकों एवं कृशक महिलाओं को जानकारी प्रदान की गई। इस संगोश्ठी में संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. सुनील नायक द्वारा कृशकों/पशुपालकों से पशुपालन संबंधी विभिन्न समास्याओं के निराकरण हेतु चर्चा की साथ ही संगोश्ठी में डॉ. ए.के. गौर ने कृशकों की आय को दोगुना, वृद्धि हेतु सुझाव पस्तृत किये। इस संगोश्ठी में डॉ. एस.एन.एस. परमार, डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ. वाय.पी. साहनी, डॉ. सुनील नायक ने पशुओं में पशु पोषण के बारे में विस्तृत जानकारी, डॉ. दानवीर सिंह यादव ने पशुओं के रखरखाव एवं बीमारियों से बचाव हेतु सुझाव प्रदान किये। इस संगोश्ठी में पंचम बर्मन, डब्बल बर्मन, आशीष पटेल, मौजीलाल बेन, उमाशंकर, सीमा ठाकुर आदि पशुपालकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस कार्यक्रम में डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ. एस.एन.एस. परमार, डॉ. वाय.पी. साहनी, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डॉ. पी.सी. शुक्ला, डॉ. एन.के. जैन, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. बी.सी. सरखेल, डॉ. जी.पी. पांडे सहित महाविद्यालय के समस्त वैज्ञानिकों छात्र–छात्राओं, कृशकों, पशुपालकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. ए.के. गौर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रूचि सिंह द्वारा किया गया।

डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर